साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 132 | जौनपुर, बुधवार, 07 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सीएम अरविंद केजरीवाल को बाम्बे हाई कोर्ट से राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ ने मंगलवार को आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत दी। हाई कोर्ट ने केजरीवाल को जारी किए गए समन को रद्द कर दिया। हाई कोर्ट ने 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान दायर एक शिकायत पर दिल्ली के मुख्यमंत्री को जारी किए गए समन को रद्द कर दिया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने तलब किया था

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मापुसा ने केजरीवाल को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और रिश्वतखोरी से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 171 के तहत तलब किया था।

हाई कोर्ट में अपील करने के लिए समय मांगा

आम आदमी पार्टी गोवा चीफ अमित पालेकर पेशे के वकील हैं। उन्होंने कहा, ष्पिछले साल नवंबर में केजरीवाल को समन जारी किया गया था, जिसके बाद वह जेएमएफसी के सामने पेश हुए थे। उस वक्त समय मांगा गया था क्योंकि हम हाई कोर्ट में अपील करना चाहते थे।

अमित पालेकर ने कहा कि इस केस की सुनवाई 12 फरवरी को मजिस्ट्रेट के सामने होगी। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने साल 2017 में पहली बार गोवा में विधानसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उसे एक भी सीट हासिल नहीं हुई थी। वहीं, 2022 के चुनाव में पार्टी दो सीटें जातने में कामयाब रही।

मनिन्द्र मोहन बने राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्याय धीश, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

जयपुर, एजेंसी। न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने मंगलवार को यहां राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिापति के तौर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने श्रीवास्तव को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई। श्रीवास्तव ने हिंदी में शपथ ली। इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल से श्रीवास्तव को शपथ दिलवाने का आग्रह किया।

उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधिपति की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विध ाानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व अन्य मंत्री आदि उपस्थित रहे।

पिछली सरकारों की तुष्टीकरण नीति ने देश के लिए समस्या पैदा की – अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछली सरकारों की तुष्टिकरण की नीति ने देश के लिए कई समस्याएं पैदा कीं और कई गलत नीतियों के कारण दशकों तक जम्मू –कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों और पूर्वोत्तर में हिंसा और अशांति रही। श्री शाह ने यहां सुरक्षा से परेरू भारत के लचीले भविष्य का निर्माणश विषय पर व्याख्यान देते हुए और ओआरएफ विदेश नीति सर्वेक्षण का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत छह देशों के साथ भूमि सीमा और सात देशों के साथ समुद्री सीमा साझा करता है। गृह मंत्री ने कहा, 75 वर्षों में हमने आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर आतंकवाद, उग्रवाद और वामपंथी उग्रवाद का सामना किया है और हजारों निर्दोष नागरिक और सुरक्षाकर्मी इनका शिकार बने हैं। 2014 से मोदी सरकार ने 'जीरो टॉलरेंस 'की नीति अपनाई और आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने की रणनीति बनाई। हमने न केवल आतंकवाद से निपटना जरूरी समझा है, बल्कि हमने इसके पारिस्थितिकी तंत्र पर भी प्रहार किया है। श्री शाह ने कहा कि अपनी दो–आयामी नीति के कारण, मोदी सरकार ने इन तीन हॉटस्पॉट में बड़ी सफलता हासिल की है। पिछले 10 वर्षों में, प्रधान मंत्री मोदी के प्रयासों के कारण, भारत ने राजनीतिक स्थिरता, भ्रष्टाचार मुक्त शासन, लोक कल्याण, निवेशक– अनुकूल एजेंडा और शांतिपूर्ण वातावरण स्थापित करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

जम्मू-कश्मीर एलजी ने केंद्र शासित प्रदेश के लिए अंतरिम बजट की सराहना की

जम्मू,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश के लिए अंतरिम बजट 2024 की सराहना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्र शासित प्रदेश के अनुमानों को संशोधित करने के अलावा, जम्मू–कश्मीर के लिए अंतरिम बजट 2024 पेश किया। उपराज्यपाल ने ट्वीट किया "जम्मू–कश्मीर के अंतरिम बजट 2024–25 के लिए माननीय प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी का आभारी हूं। यह किसानों, महिलाओं, युवाओं, समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों को समर्पित है और केंद्र शासित प्रदेश में जमीनी स्तर के लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रयास करता है। ष्अंतरिम बजट तेजी से आर्थिक विकास की सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है और यह सुनिश्चित करता है कि विकास सामाजिक रूप से समावेशी और टिकाऊ हो। यह कृषि अर्थव्यवस्था के तेजी से विस्तार पर ध्यान केंद्रित करता है और ग्रामीण–शहरी विभाजन को पाटने के अलावा क्षेत्रीय असंतुलन के मुद्दे को भी संबोधित करता है। केंद्र शासित प्रदेश के वित्त विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है केंद्र सरकार इस वित्त वर्ष में केंद्र शासित प्रदेश की सरकार को 41,751.44 करोड़ रुपये और अगले वित्त वर्ष में 37,277.74 करोड़ रुपये प्रदान करने पर सहमत हुई है। इसमें कहा गया है कि इन सहायता आंकड़ों को केंद्र सरकार के 2023–24 के संशोधित अनुमान और 2024–25 के बजट अनुमान में विधिवत शामिल किया गया है। बयान में कहा गया है, "यह सहायता केंद्र शासित प्रदेश को सहायता के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की मांग संख्या 58 के तहत प्रदान की जाएगी। इस सहायता में केंद्र मदद करेगा।

उत्तराखंड कैबिनेट ने समान नागरिक संहिता को मंजूरी दी

उत्तराखंड, एजेंसी। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मसौदे को उत्तराखंड कैबिनेट की मंजूरी मिलने से राज्य विधानसभा में इसे पेश करने का रास्ता साफ हो गया है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में रविवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) मसौदा रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है. पांच सदस्यीय यूसीसी पैनल ने शुक्रवार को मसौदा मुख्यमंत्री को सौंपा था. इसे 6 फरवरी को विशेष रूप से बुलाए गए विधानसभा सत्र में पेश करने की तैयारी है. एक बार यह कानून बन जाता है तो उत्तराखंड आजादी के बाद यूसीसी को लागू करने वाला पहला राज्य बन जाएगा. शनिवार को भी कैबिनेट की बैठक हुई थी लेकिन इसमें यूसीसी का मुद्दा नहीं शामिल था. इसके बाद रविवार को कैबिनेट की एक और बैठक हुई. मीडिया में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि कैबिनेट रविवार को एक ही एजेंडे के साथ बुलाई गई थी, जिसका मकसद यूसीसी मसौदा रिपोर्ट को मंजूरी देना था. आधिकारिक मंजूरी से पहले, पूरे कैबिनेट को रिपोर्ट की एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई थी. उत्तराखंड विध ाानसभा सत्र 5 से 8 फरवरी तक चलने वाला है. इस सत्र में मुख्यमंत्री 6 फरवरी को समान नागरिकता कानून को सदन के पटल पर रहने वाले हैं. उत्तराखंड सरकार की योजना उसे सदन में पास कराकर जल्द ही प्रदेश में लागू करने की है. सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने 2 फरवरी को चार खंडों में विभाजित 740 पेज की रिपोर्ट सौंपी मुख्यमंत्री धामी को सौंपी थी. धामी सरकार ने यूसीसी को राज्य में लागू करने के लिए 27 मई 2022 को पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था. मार्च 2022 में सरकार के गठन के फौरन बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के गठन करने को मंजूरी दी थी.

समिति द्वारा रखे गए कुछ प्रमुख प्रस्तावों में बहुविवाह, हलाला, इद्दत और बाल विवाह पर प्रतिबंध हैं. साथ ही सभी धर्मों में लड़कियों की शादी के लिए समान उम्र, सभी धर्मों के लिए समान विरासत कानून और लिव–इन रिलेशन का अनिवार्य पंजीकरण शामिल हैं. दूसरी ओर, यूसीसी का मुस्लिम सेवा संगठन ने विरोध भी जताया है. इतना ही नहीं, विधानसभा सत्र से पहले प्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गई है, ताकि 6 फरवरी को जब विधानसभा के पटल पर यूसीसी के ड्राफ्ट को रखा जाएगा, तब कोई भी असामाजिक तत्व किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम न दे सके. राज्य में किसी तरह की कोई उत्पात या अप्रिय स्थिति या घटना न हो, इसको देखते हुए ही ध ाारा 144 लागू कर दी गई है।

देश के विकास पर बोले मोहन भागवत, देश समर्थ नहीं हुआ तो भुगतेगी पूरी दुनिया

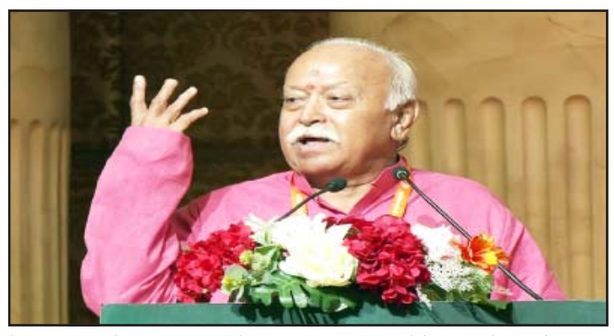

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के विकास को लेकर एक अहम बात कही है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 5 फरवरी यानि सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान देश के विकास पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश को दुनिया के लिए अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और अपना विकास करना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया को विनाश से बचने के लिए भारत को समर्थ और सक्षम बनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर देश को यह मुकाम हासिल करने में असफलता मिलती है तो दुनिया कई परेशानियों से गिर जाएगी। पूरी दुनिया वर्तमान में कई परेशानियों से ग्रसित है। दुनिया भर में स्थिति बेहद उथल–पुथल हो गई है, जिसका जिक्र कई बुद्धिजीवियों ने भी किया है। संघ प्रमुख ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाना एक साहसी कार्य था। भगवान के आशीर्वाद के बाद यह कार्य पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद में अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं। इस दशा की पीढ़ी बेहद भाग्यशाली है जिन्होंने रामलीला को अपने भव्य महल में स्थापित होते हुए देखा है। प्राण प्रतिष्ठा भगवान की इच्छा के कारण ही पूरा हुआ है। अब देश को आगे बढ़ना होगा क्योंकि दुनिया को देश की जरूरत है। संघ प्रमुख ने इस बात पर भी जोड़ दिया की भारत को सक्षम बना बेहद जरूरी है ताकि दुनिया को विनाश से बचाया जा सके और यह दुनिया के प्रति भारत की जिम्मेदारी है।

कर्नाटक हाईकोर्ट से सिदारमैया को झटका

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कांग्रेस के राज्य प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और विध ाायक रामलिंगा रेड्डी और एमबी पाटिल द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें 2022 में आवास की ओर कथित अवैध मार्च के लिए उनके खिलाफ दर्ज आपराधि क मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने नारेबाजी की और तत्कालीन मंत्री केएस ईश्वरप्पा के इस्तीफे की मांग की। न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित की एकल न्यायाध ीश पीठ ने आरोपी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया और सिद्धारमैया को 6 मार्च को विशेष अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया। इसके अलावा, इसने रुपये का जुर्माना भी लगाया। पुलिस अधिकारी को उसकी व्यक्तिगत क्षमता में प्रतिवादी पक्ष के रूप में पेश करने के लिए प्रत्येक याचिकाकर्ता पर 10,000 रुपये का खर्च आएगा। फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि मैंने पक्षों द्वारा उठाए गए सभी तर्कों पर विचार किया है। एक अमेरिकी अदालत के फैसले और शीर्ष अदालत के तीन 3 फैसलों का संदर्भ दिया गया है और धारा 155 (3) पर विचार किया गया है। दनुसार, सभी याचिकाएँ खारिज की जाती हैं। मैंने प्रत्येक याचिकाकर्ता के लिए निचली अदालत के समक्ष उपस्थित होने के लिए एक विशिष्ट तारीख तय की है। सिद्धारमैया द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है।

असुरक्षा और हीनभावना से हैं ग्रस्त हैं पीएम - जयराम रमेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने संसद में बजट सत्र के दौरान पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गहरी असुरक्षाओं और जटिलताओं से पीड़ित हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर गहरी असुरक्षाओं और जटिलताओं से पीड़ित होने का आरोप लगाया और कहा कि इससे वह जवाहरलाल नेहरू पर शत्रुतापूर्वक हमला करते हैं। इसको लेकर जयराम रमेश ने एक एक्स पोस्ट किया। अपने पोस्ट में कांग्रेस नेता ने लिखा कि प्रधानमंत्री कल लोकसभा में बिल्कुल बेतुकी और बकवास बातें करते रहे। सदन में उनका यह सबसे निम्न स्तर था। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में भी वह निस्संदेह इसे दोहराएंगे। वह गहरी असुरक्षाओं और हीनभावना से ग्रस्त हैं। इसी वजह से वह नेहरू पर सिर्फ राजनीतिक ही नहीं बल्कि बेहद घटिया ढंग से व्यक्तिगत हमले भी करते हैं। उन्होंने कहा कि वाजपेयी और आडवाणी ने कभी ऐसा नहीं किया। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी, जिन्हें लगता है कि वह बहुत चालाक हैं, दरअसल ऐसा करके वह जिस पद पर हैं, उसका अपमान करते हैं। डमहंसवउंदपं (अहंकार की पराकाष्ठा) और (छमीतन चैवइपं) नेहरू का डर एक खध्तरनाक मिश्रण है जो मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी इन इंडिया (डव्क्) का कारण बन रहा है। रमेश ने लिखा कि भारत के लोगों और विशेष रूप से युवाओं ने निर्णय लिया है कि प्रधानमंत्री के रूप में यह मोदी जी का लोकसभा में अंतिम भाषण होगा। पिछले दस साल का अन्याय काल जल्द ही समाप्त होगा। पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में अपने 100 मिनट के भाषण के दौरान भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता सोचते थे कि भारतीय आलसी और कम बुद्धि वाले हैं। लाल किले की प्राचीर से नेहरू के स्वतंत्रता दिवस के भाषण का हवाला देते हुए कहा, नेहरू ने कहा था हम यूरोपीय, जापानी, चीनी, रूसी या अमेरिकियों जितनी मेहनत नहीं करते हैं। मोदी ने आगे कहा कि वह उन लोगों को भारतीयों को नीचा दिखाने का प्रमाणपत्र दे रहे हैं। इससे पता चलता है कि भारतीयों के बारे में नेहरू जी की सोच यह थी।

2045 तक दोगुनी हो जाएगी भारत की प्राथमिक ऊर्जा मांग - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत की प्राथमिक ऊर्जा मांग 2045 तक दोगुनी हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने वैश्विक समस्याओं के समक्ष भारत की ऊर्जा प्रबंधन रणनीति का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम हुई है। उन्होंने कहा कि भारत में अगले पांच–छह वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 67 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा। सरकारी सुधार घरेलू प्राकृतिक गैस उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद कर रहे हैंय 2030 तक ऊर्जा मिश्रण में गैस की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य है। वैश्विक उत्सर्जन में भारत का हिस्सा केवल चार प्रतिशत, 2070 तक 'नेट जीरो' उत्सर्जन का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आज जब हम पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता की बात करने के लिए एकजुट हुए हैं, टिकाऊ भविष्य के बारे में बात करने जा रहे हैं। इसके लिए गोवा बहुत ही परफेक्ट डेस्टिनेशन है। मोदी ने कहा कि इस वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों में भारत की ळक्द दर 7.5 फीसदी से अधिक हो गई है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हाल ही में, पीडीएफ ने भी ये भविष्यवाणी की है कि हम ऐसे ही तेजी से आगे बढ़ेंगे। आज पूरी दुनिया के विशेषज्ञ ये मान रहे हैं कि भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा कि आज भारत अपने यहां 21वीं सदी का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है। हम बुनियादी ढांचा निर्माण मिशन पर काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मप्र के विकास में पूरा सहयोग का किया वादा – मोहन यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को नई दिल्ली के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री को प्रदेश के विकास में पूरा सहयोग देने का आश्ध्वासन दिया है। राज्य सरकार की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री से संसद भवन में भेंट की और प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया है कि प्रदेश के विकास और जनकल्याण के कार्यक्रमों में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संसद भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने अमित शाह को स्वामित्व योजना और सीएम किसान योजना की प्रगति की जानकारी दी।

संपादकीय

उच्च शिक्षा का अस्तित्व

पश्चिम बंगाल में उच्च शिक्षा अस्तित्व संकट में है. एक स्तर पर, यह पूरे भारत में विश्वविद्यालय प्रणाली के लिए सच है, जो केंद्र सरकार की वर्तमान नीति के तहत उजागर हो रही है। लेकिन बंगाल गुमराह नीति से धीरे–धीरे उबरने से संतुष्ट नहीं है। राज्य–स्तरीय शासकों के सक्रिय कुशासन के कारण इसके विश्वविद्यालय चरमरा रहे हैं। मुझे एक राष्ट्रीय अखबार में यह लिखने में कोई खुशी नहीं है, लेकिन संकट को पहचानने की जरूरत है। यह और भी अधिक निंदनीय है, क्योंकि चाटुकारिता की निष्क्रिय संशयवादिता को धता बताते हुए, बंगाल के राज्य–संचालित विश्वविद्यालय भारत में सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। जादवपुर विश्वविद्यालय केंद्र सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में सार्वजनिक और निजी, पहले पांच या छह भारतीय विश्वविद्यालयों में और राज्य संचालित परिसरों में पहले स्थान पर है। कलकत्ता विश्वविद्यालय कभी पीछे तो कभी आगे होता है। (एकमात्र प्रतियोगी तमिलनाडु का अन्ना विश्वविद्यालय है।) इन संस्थानों में कई समस्याएं हैं, लेकिन हम लगातार उनके वास्तविक गुणों को नजरअंदाज करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में परिदृश्य बाधित हुआ हैय परिणाम अब हमारे चेहरे पर सामने आ रहे हैं। मूल कारण राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच का झगड़ा है, जिससे विपक्ष शासित कई राज्य प्रभावित हैं। बंगाल में मुख्य युद्धक्षेत्र शिक्षा है। राज्यपाल सभी राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के पदेन कुलाधिपति होते हैं। हाल के कुलपतियों ने विश्वविद्यालय मामलों पर सीधे नियंत्रण के लिए अपनी पूर्व औपचारिक भूमिका को त्याग दिया है। बदले में, राज्य सरकार ने अपनी पकड़ कड़ी कर दी है। शैक्षणिक स्वायत्तता खत्म हो गई है दृ एक परिणाम जिसे दोनों सत्तारूढ़ खेमों ने सराहा है। दोनों चाहेंगे कि एक आज्ञाकारी संकाय उनकी बोली को पूरा करे। कुलपतियों की नियुक्ति पर संकट की घड़ी आ गई है. अब एक और सबप्लॉट सामने आ रहा है। कुछ साल पहले ऐसी नियुक्तियों में कुछ अनियमितताएं पकड़ी गई थीं. क्षति की भरपाई करने के बजाय, राज्य सरकार ने कानून में संशोधन करने की मांग की, ताकि वास्तव में, अनियमितताएं बनी रहें। जैसा कि अनुमान था, चांसलर ने अपनी ही चप्पू चला दी। म्यूजिकल चेयर का घिनौना खेल शुरू हुआ, प्रत्येक पक्ष ने अपने–अपने प्रत्याशियों को नियुक्त किया और दूसरे को कमजोर कर दिया। मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है, जिसने एक कमेटी का गठन किया है. इस बीच, यथास्थिति जारी है, जिसका प्रभावी रूप से मतलब है कि कुलाधिपति द्वारा नामित कुलपतियों का एक समूह उन सीटों को सुशोभित करना जारी रखेगा, जिन पर वे किसी विशेष क्षण में संयोग से बैठे थे। यथास्थिति बनाए रखने के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लिया जा सकता. कौन से निर्णय महत्वपूर्ण हैं? और महत्वपूर्ण निर्णय लिए बिना कोई विश्वविद्यालय कैसे चला सकता है? बड़े और छोटे प्रशासनिक निर्णय विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा लिए जाते हैं। अस्थायी कुलपति परिषद की बैठकें नहीं बुला सकते। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल एक–दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, लेकिन दोनों फुटबॉल खेलते हैं। इसी प्रकार, हमारे झगड़ालू शासक भी बंगाल में उच्च शिक्षा को पंगु बनाने के सामान्य मुद्दे पर एकजुट हैं। दीक्षांत समारोह आयोजित करने को लेकर मामला तूल पकड़ गया। दो विश्वविद्यालयों ने कुलाधिपति की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जबकि राज्य सरकार ने विरोध किया। फिर भी जब जादवपुर ने बिल्कुल उन्हीं परिस्थितियों में अपने दीक्षांत समारोह की घोषणा की, तो चांसलर इतने नाराज हो गए कि उन्होंने कुलपति (अपने स्वयं के नामांकित व्यक्ति) को पूरी जानकारी के साथ बर्खास्त कर दिया कि वह किसी अन्य को नियुक्त नहीं कर सकते। राज्य सरकार ने अपने पहले के रुख से पलटते हुए अब दीक्षांत समारोह आयोजित करने का समर्थन किया और कुलपति को बहाल करने का प्रयास किया। दोनों पक्षों की भूमिकाओं में यह उलटफेर दिखाता है कि कैसे वे शुद्ध विरोध के कारण आगे बढ़ रहे हैं, जिससे विश्वविद्यालय को भी अतिरिक्त क्षति हो रही है। दीक्षांत समारोह तो हो गया, लेकिन उसके बाद कुलपति ने पद छोड़ दिया। अब पूर्णतया प्रबंधन शून्य हो गया है। यहां तक कि नियमित प्रशासन को भी कुलपति और कार्यकारी परिषद से निरंतर अनुमोदन और निर्देशों की आवश्यकता होती है। दोनों ने काम करना बंद कर दिया है. कुलपति के बीमार पड़ने जैसी 'सामान्य' आपात स्थितियों के लिए प्रावधान हैय वर्तमान जैसी विचित्र स्थिति के लिए कोई नहीं। चौतरफा नुकसान से तीन महत्वपूर्ण मुद्दे उभरकर सामने आते हैं। पहला केंद्रीय अनुदान से संबंधित है। इन्हें अलग–अलग 'शून्य–शेष' खातों में रखा जाता हैय खर्च न की गई धनराशि एक समय सीमा के बाद दिल्ली वापस आ जाती है। वर्तमान गतिरोध में, विभाग (विशेष रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के) 31 मार्च को वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले उपकरण और बुनियादी ढांचे के लिए अपनी मेहनत से अर्जित अनुदान का उपयोग नहीं कर सकते हैं। इस वर्ष के धन को खर्च करने में विफलता अगले वर्ष के आवंटन के लिए विनाशकारी होगी। क्या विभाग इस शारीरिक आघात से बच सकते हैं? दूसरा मुद्दा कर्मचारियों की भर्ती से संबंधित है। भारत भर के अधिकांश सार्वजनिक विश्वविद्यालयों की तरह, कई विभाग आधी क्षमता पर चल रहे हैं। सरकार अब नियुक्तियों में पहले की तुलना में बड़ी भूमिका निभाती है, या निभाने में विफल रहती है। चांसलर भी एक प्रतिनिधि नामित करते हैं। इस बीच छात्रों की कमी हो गई है, और युवा विद्वान नौकरियों की कमी से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस बनाम सहयोगी दलों से बाहर निकलने का रास्ता

आदित्य

जब यह कॉलम लिखा जा रहा है, राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा झारखंड से गुजर रही है. वह जहां भी जाते हैं भीड़ खींचते नजर आते हैं. अक्सर, वह उनके साथ बैठते हैं, और उनके चारों ओर प्रतिनिधि मंडली में आमतौर पर युवा पुरुष और महिलाएं शामिल होती हैं, विशेष रूप से जींस में युवा महिलाएं– स्वतंत्र–उत्साही उदारवादी जो राहुल गांधी की कॉमरेड उपस्थिति में आश्वासन पाते हैं। वे 'हम होंगे कामयाब' की भावना पर आधारित गीत गाते हैं। फिर वे टूट जाते हैं और राहुल गांधी दूसरी जगह चले जाते हैं। थोड़े बदलाव के साथ दृश्य दोहराया जाता है। क्या इन गायकों और ऐसी ही 'सूफी' आत्माओं का वास्तविक राजनीति के संदर्भ में कोई मतलब है? इन सभाओं की प्रकृति शायद कॉलेज चुनाव के लिए अधिक उपयुक्त है। पिछले साल यात्रा के पहले चरण में, कोई भी इस अभियान को कुछ आशा के साथ देख सकता था। लेकिन इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में तेलंगाना को छोड़कर बाकी जगहों पर नतीजे कांग्रेस के लिए सुखद नहीं रहे। हालांकि कुछ सहानुभूति रखने वाले मीडिया के लोग यह सिद्धांत पेश करने की कोशिश कर रहे हैं कि राहुल गांधी ने जिन यात्रा क्षेत्रों को कवर किया, उससे कांग्रेस को मतदाता मिले, लेकिन यात्रा और वोटों के बीच वास्तविक सह–संबंध का कोई वास्तविक सांख्यिकीय प्रमाण नहीं है। किसी भी स्थिति में, विधानसभा परिणामों को देखते हुए, इसका कोई वास्तविक परिणाम नहीं हो सकता है। जैसे–जैसे आम चुनाव नजदीक आ रहा है, न्याय यात्रा लगातार प्रतिकूल होती दिख रही है। उदाहरण के लिए, बिहार में, जब यात्रा आनंदमय हो रही थी, नीतीश कुमार, जो उस वास्तविक गटर का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो हृदय प्रदेश की राजनीति है, ने इसे भारत गुट से अलग होने, बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में इस्तीफा देने और शपथ लेने का एक उपयुक्त अवसर पाया। फिर से भाजपा के समर्थन से – तीन दिनों के अंतराल में। वह विपक्ष के प्रमुख सहयोगी थे. यह लोकतंत्र के भारतीय संस्करण की निष्क्रिय प्रकृति का एक माप है कि जिन लोगों ने पहली बार भाजपा के कट्टर दुश्मन के रूप में नीतीश कुमार को वोट दिया था, वे मतदान केंद्रों से बाहर आने के बाद कुछ नहीं कर सकते। यहां तक कि जब वे बाहर निकलते हैं, तो उनका नेता पूरी तरह से अपनी सभी कोशिकाएं त्यागकर एक नया आदमी बन जाता है। पिछले हफ्ते, जब राहुल गांधी पश्चिम बंगाल में घूम रहे थे, हाथ हिला रहे थे, मुस्कुरा रहे थे और गाना गा रहे थे, एक अन्य प्रमुख सहयोगी, ममता बनर्जी ने कहा कि उनका कांग्रेस के साथ कोई रिश्ता नहीं है, क्योंकि सीपीएम और कांग्रेस के बीच एकता उनकी तृणमूल कांग्रेस के हितों के खिलाफ काम करेगी। पिछले साल, जब राहुल गांधी केरल की यात्रा कर रहे थे, तो सीपीएम ने स्थानीय राजनीतिक प्राथमिकताओं के कारण अपनी आपत्ति व्यक्त की थी। अब, केरल वाम मोर्चा का कहना है कि राहुल गांधी को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र खाली करना होगा ताकि वे वहां से चुनाव लड़ सकें। मुद्दा यह है कि क्षेत्रीय राजनीति एक अत्यधिक तरल मैट्रिक्स है। नई यात्रा के साथ समस्या सिर्फ वह नहीं है जो प्रशांत किशोर कह रहे हैंरू राहुल को पार्टी मुख्यालय में रहना चाहिए, मैदान से बाहर नहीं, ताकि राजनीतिक समीकरण बनाए जा सकें, संगठनात्मक निर्णय लिए जा सकें और रणनीतियां तैयार की जा सकें। इसका कोई खास मतलब नहीं है क्योंकि राहुल गांधी ने पार्टी के अध्यक्ष चुनाव के समय ही स्पष्ट कर दिया था कि इन पहलुओं का ध्यान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रखेंगे और वह मैदान में रहेंगे। यह कोई बुरी रणनीति नहीं है, क्योंकि इससे पता चलता है कि राहुल गांधी को अपनी सीमाओं का एहसास है। माना कि वह बंद कमरे में बातचीत करने में अच्छे नहीं हैं। लेकिन समस्या यह है कि वह अपने क्षेत्र के काम को वोटों में तब्दील नहीं कर पा रहे हैं. सिर्फ एक कारण से. क्षेत्रीय दलों – जिनमें से कुछ भारतीय गुट के सहयोगी हैं दृ की अस्तित्व की प्राथमिकताएं कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी के साथ टकराव की स्थिति में हैं। बाद वाले का जीवन पहले की मृत्यु है। जब भी विपक्ष एक साथ आता है, तो इससे कांग्रेस को फायदा होता है और क्षेत्रीय दलों की पहचान लगभग खत्म हो जाती है। नरेंद्र मोदी को हारते देखने के लिए वे खुद को क्यों नष्ट करेंगे? कोई भी आसानी से कह सकता है कि मोदी ही हैं जिनकी वजह से, उदाहरण के लिए, ममता जीवित हैं और सक्रिय हैं। दरअसल, मोदी को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय ताकत के रूप में जीवित रखना क्षेत्रीय नेताओं के हित में है। वे मोदी के विरोध में अपनी पहचान और प्रासंगिकता को परिभाषित करते हैं। अब जब राहुल गांधी यात्रा के लिए प्रतिबद्ध हैं तो उनके पास इसे पूरा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है. वह मार्च के तीसरे सप्ताह में किसी समय दिल्ली वापस आएंगे। दिल्ली वापस आकर, एक चीज जो वह करना चाहेगा वह है प्यार के बारे में बात करना बंद कर देना। भारतीय राजनीति सूफी भूमि नहीं है, जैसा कि मोदी भी अच्छी तरह जानते हैं। यही कारण है कि वह मैकियावेलियन सिद्धांत में विश्वास करना चुनते हैं कि एक नेता को सत्ता में बने रहने के लिए प्यार के बजाय डर को प्रेरित करना चाहिए। राहुल गांधी वास्तव में क्या कर सकते हैं दृ चूंकि उनके और उनकी पार्टी के पास देने के लिए कोई वास्तविक वैकल्पिक आर्थिक दृष्टि नहीं है, केवल शुभकामनाएं हैं – वह एक ऐसा काम करना है जो बूथों पर चुनाव परिणामों को बदल सकता है। यह चुनाव के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन या ईवीएम मॉडल का मुकाबला करने के लिए है। हालाँकि सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर में एक मौखिक टिप्पणी की थी कि मतदाता–सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल रिकॉर्ड के खिलाफ ईवीएम डेटा की क्रॉस–चेकिंग के पैमाने को बढ़ाने से चुनाव आयोग का काम बिना किसी 'बड़े लाभ' के बढ़ जाएगा, तथ्य यह है कि स्रोत कोड का मशीन की देखरेख स्वयं एक समिति द्वारा की जाती है।

परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा

आदित्य

अगस्त 2021 में कठिन दौर के बाद, जब जो बिडेन ने इंडो–पैसिफिक पर अपना ध्यान केंद्रित करने और चीन के उदय का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को अफगानिस्तान से बाहर निकालने पर जोर दिया, तो यह युद्ध के युग के अंत के रूप में दिखाई दिया। इस बात का जरा भी एहसास नहीं था कि कुछ महीनों के भीतर भड़की दो आग दुनिया को यूरोपीय थिएटर और मध्य पूर्व में वापस खींच लेंगी। 24 फरवरी, 2022 को जब यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ तो यह काफी गड़बड़ थाय काला सागर क्षेत्र में कई हिस्सेदारी वाले बहुत सारे खिलाड़ी थे, लेकिन इसमें सीधे तौर पर अमेरिका की कोई भागीदारी नहीं थी। नाटो और अमेरिका ने यूक्रेन के माध्यम से युद्ध लड़ा, जिससे कई देशों से युद्ध सामग्री की आपूर्ति श्रृंखलाएँ बनीं। तब से यह एक क्लासिक गतिरोध में बदल गया है, हालांकि क्षमता पर धारणाएं बहस योग्य हैं। इजराइल–हमास युद्ध, जो मूल रूप से फिलिस्तीनी मुद्दे से ध्यान भटकने से रोकने के लिए हमास द्वारा डिजाइन किया गया एक असममित युद्ध है, अब मध्य पूर्वी क्षेत्र में फैल रहा है, जिससे एक ऐसी गड़बड़ी पैदा हो रही है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता है। जबकि इजरायल और हमास के बीच मुख्य युद्ध इजरायलियों द्वारा जान–माल के भारी नुकसान के बावजूद गतिरोध पर पहुंच गया है, यह साइड–शो है जो अधिक चिंता का कारण बन रहा है। मुख्य युद्ध अन्य घटनाओं को व्यापक रूप से प्रभावित करने की अपनी क्षमता से अलग है, हालांकि यह इन सभी घटनाओं को शुरू करने के लिए जिम्मेदार था। पहला लेबनान में हिजबुल्लाह है, जिसने अपनी उत्तरी सीमा पर इजराइल पर दबाव डाला है और अगर वह चाहे तो तनाव बढ़ाने के लिए इजराइल के भीतर कई मिसाइल हमले शुरू करने की क्षमता रखता है। इसकी प्रासंगिकता उत्तर में इसकी खतरनाक उपस्थिति और ईरान से छद्म खतरे के रूप में अस्तित्व में है और इससे अधिक निर्णायक कुछ भी नहीं है। फिर हौथिस हैं। उन्हें लंबे समय से ईरान द्वारा यमन में प्रॉक्सी के रूप में न केवल अपना प्रभाव फैलाने के लिए प्रायोजित किया गया है, बल्कि लाल सागर के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय वस्तुओं और तेल व्यापार की सुविधा प्रदान करने वाले प्रमुख समुद्री मार्गों से यमन की निकटता के कारण भू–रणनीतिक ऊपरी हाथ बनाए रखने के लिए भी प्रायोजित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय गतिरोधों में यह एक महत्वपूर्ण क्षमता है, जहां कई देशों की आर्थिक भलाई दांव पर होगी। यह बदले में बदले की क्षमता भी है, जहां ईरान के विरोधियों द्वारा फारस की खाड़ी को बंद करने की संभावित संभावना का मुकाबला लाल सागर कार्ड से किया जा सकता है लेवांत में सत्ता बरकरार रखने और मध्य पूर्व में पश्चिमी प्रभाव को रोकने की ईरान की मंशा भंगुरता की रणनीति की ओर ले जाती है। ऐसा पहले भी कई बार हुआ है, जब ईरान ने कथित तौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा समर्थित प्रॉक्सी द्वारा सीमित हमलों के माध्यम से अपनी क्षमता का संदेश देने का विकल्प चुना है। जनवरी 2020 में बगदाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक लक्षित ड्रोन हमले द्वारा आईआरजीसी के प्रसिद्ध कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या इस तरह के गतिरोधों में से पहली नहीं थी। हालाँकि, ईरान ने सक्रिय रूप से एक सीमा पार करने से परहेज किया हैय लेकिन जब इसके नेताओं को निशाना बनाया जाता है तो यह हमेशा प्रतिशोध में हमला करता है। कुद्स फोर्स आईआरजीसी की विदेशी जासूसी और अर्धसैनिक शाखा है जो लेबनान से इराक और यमन से सीरिया तक मध्य पूर्व में अपने सहयोगी मिलिशिया को भारी रूप से प्रभावित करती है। ये मिलिशिया वे प्रतिनिधि हैं जो ईरान विरोधी ताकतों पर हमला करते हैं और मध्य पूर्व को ईरान के पक्ष में आकार देने के प्रयास का हिस्सा हैं। यह स्पष्ट है कि ईरान, अपनी वर्तमान व्यवस्था के तहत, अमेरिका को मध्य पूर्व पर निर्विरोध प्रभुत्व की छूट नहीं देगा, यह दर्जा अमेरिका अपने साझेदारों सऊदी अरब, इजराइल और यूएई के माध्यम से चाहता है। ईरान ने जो रणनीति चुनी है वह प्रदर्शित सैन्य हमलों की है, जो बड़े पैमाने पर पारंपरिक प्रतिशोध या संपूर्ण युद्ध को आमंत्रित करने की सीमा से नीचे रहेगी। तनाव कम होने से पहले अमेरिका हमेशा तनाव बढ़ाने के लिए जवाबी कार्रवाई करता है। इससे तापमान तो ऊंचा रहता है, लेकिन तापमान बढ़ने की संभावना कम रहती है। हाल ही में जॉर्डन में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत के प्रतिशोध में सीरिया और इराक में 85 स्थानों को मिसाइलों से निशाना बनाना और 40 लोगों की हत्या, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे, अमेरिका के खिलाफ और अधिक अलगाव पैदा करते हैं। यह विशेष रूप से गाजा में अत्यधिक इजरायली बमबारी के आलोक में है, जिसमें 25,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से अधिकांश नागरिक, महिलाएं और बच्चे हैं। इस बात की कोई गारंटी नहीं दी जा सकती कि अधिक जटिल उभरते परिवेश में, विभिन्न दबाव बिंदुओं से जुड़ी घटनाएं अनियंत्रित रूप से सीमा को पार नहीं करेंगी।

सुनक को अपनी छवि बेहतर बनाने में मदद

आसिफ

और इसलिए, हम जानते हैं – भारत में – लोग आश्चर्यचकित रह गए जब यह पता चला कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले करीब ग्यारह दिनों तक उपवास किया था। उनके पास केवल नारियल पानी था – और जब उन्होंने देश चलाना और यात्रा करना जारी रखा तो उन्होंने अत्यधिक धैर्य दिखाया। इस प्रकार का आत्म–नियंत्रण एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हम यह सुनने के आदी हैं कि वह कहाँ चिंतित है दृ और इसलिए क्या अन्य विश्व नेता "फास्ट" ट्रैक पर बहुत पीछे रह सकते हैं? इस प्रकार, हाल ही में प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने यह कहकर सभी को प्रभावित किया है कि वह नियमित रूप से रविवार की शाम से शुरू होकर मंगलवार की सुबह तक छत्तीस घंटे का उपवास करते हैं। ऐसे में उन 36 घंटों में वह सिर्फ चाय या कॉफी ही पीते हैं। यूके में, इस प्रकार के उपवास के लाभकारी प्रभाव कैसे हो सकते हैं, इस पर चर्चा करना सभी के लिए एक बहुत ही सुखद मनोरंजन था। मीडिया में गरमागरम चर्चाएं हुई हैं और प्रमुख आहार विशेषज्ञों से सलाह मिली है कि यह आपके चयापचय पर क्या प्रभाव डाल सकता है। बेशक, 5:2 "फास्ट डाइट" पिछले कुछ वर्षों से पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गई है, और "इंटरमिटेंट फास्टिंग" एक चर्चा का शब्द है लेकिन ये सभी वजन घटाने के तरीकों के रूप में हैं। श्री मोदी ने जो किया वह आध्यात्मिक उद्देश्यों के लिए भी था और हम जानते हैं कि वह हर साल नवरात्र के दौरान उपवास भी करते हैं। हम श्री सुनक के उपवास की प्रेरणा नहीं जानते दृ लेकिन यह निश्चित रूप से उनके अभ्यस्त उपवास को प्रकट करने और कहानी को बदलने की एक अच्छी रणनीति थी क्योंकि इसने उन्हें अनुशासित होने और काम जारी रखने और फिट रहने में सक्षम दिखाया है। एक नेता में ये हमेशा प्रभावशाली गुण होते हैं और इसने निश्चित रूप से उस समय उनकी छवि को मदद की है जब टोरी जनमत सर्वेक्षणों में लगातार नीचे गिर रहे हैं। ऐसा दुर्लभ है कि एक दशक में किसी राजनीतिक दल का पांचवां प्रधानमंत्री किसी और उत्तराधिकारी की तलाश में हो। लेकिन यही भाग्य श्री सुनक का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री को हटाने की साजिश रचने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर पीछे की बेंचों पर साजिशें और योजनाएं बनाई जा रही हैं। आइए आशा करें कि वह "तेज" बने रहने में कामयाब रहेगा। अभी कुछ हफ्ते पहले हम सभी दो राजघरानों की सर्जरी के बारे में चिंतित थे दृ भावी रानी, केट मिडलटन, और वर्तमान राजा, किंग चार्ल्स ш। सौभाग्य से, दोनों के लिए सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है दृ और ऐसा कोई संकट नहीं है जिसे एक मजबूत "कठोर ऊपरी होंठ" ने हल न किया हो। लेकिन हालिया खबर यह है कि सारा फर्ग्यूसन, डचेस ऑफ यॉर्क दृ जिनकी शादी प्रिंस एंड्रयू से हुई थी दृ को मेलेनोमा, यानी त्वचा कैंसर का पता चला है। केट के विपरीत, जिसकी रहस्यमय सर्जरी के बारे में हम अभी भी नहीं जानते हैं सारा अपने स्वयं के निदान, पुनर्प्राप्ति और उपचार के साथ सार्वजनिक हो गई है। इससे अपने स्वयं के संदिग्ध मेलेनोमा के लिए चेकअप के लिए जाने वाले लोगों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है दृ और एनएचएस की रिपोर्ट है कि मेलेनोमा के लिए अस्पताल का दौरा अब पिछले हफ्तों की तुलना में आठ गुना अधिक है। व्यक्तिगत बीमारियों के इस तरह के जश्न मनाने वाले खुलासे दूसरों के लिए जागरूकता पैदा कर सकते हैं दृ और संभवतः कई लोगों की जान बचा सकते हैं, खासकर जब उन्होंने दूसरों को अपनी त्वचा पर पाए जाने वाले किसी भी तिल के आकार, आकार और रंग में किसी भी बदलाव की लगातार जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया है। बेशक, यह इन व्यक्तिगत तथ्यों को साझा करने वाले जश्न मनाने वालों की प्रोफाइल और लोकप्रियता को नुकसान नहीं पहुंचाता है क्योंकि इससे उनके प्रति अधिक सहानुभूति आकर्षित होती है। अचानक, हम यह भी सुन रहे थे कि सारा फर्ग्यूसन और प्रिंस एंड्रयू, जिनके बीच तलाक के बाद बहुत मधुर संबंध थे, फिर से एक साथ हो सकते हैं३ जबकि बाद की खबरों का कोई आधार नहीं हो सकता है (जैसे भारत में "पूनम पांडे" स्टंट), कम से कम डचेस ने अपनी बीमारी का इस्तेमाल कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया जिस पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। ग्रेटा थुनबर्ग अब न केवल जलवायु परिवर्तन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं, बल्कि वह हर जगह मौजूद हैं जहां वह परेशानी खड़ी कर सकती हैं। वह अपने सही और गलत को समझने में भी काफी होशियार है। ऐसे में हाल ही में उन्हें लंदन के एक पांच सितारा होटल में तेल कंपनियों के सम्मेलन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। लेकिन जब उसे अदालत में पेश किया गया, तो वह बच गई क्योंकि न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस ने न तो यह स्पष्ट निर्देश दिया कि वह होटल में नहीं तो कहां विरोध कर सकती है। न ही उसके लिए कहां विरोध करना कानूनी है। तो, यह पुलिस ही थी जिसने ग्रेटा को नहीं, बल्कि पुलिस को फटकार लगाई। जाहिर तौर पर उन्हें अपना काम करते हुए पुलिस की क्षमताओं में सुधार के लिए उसे एक विशेष पास देना चाहिए। और साथ ही वह जलवायु परिवर्तन को भी खबरों में रखती है।

यूसीसी पर उत्तराखण्ड की बड़ी एवं सार्थक पहल

ललित

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने समान आचार संहिता (यूसीसी) के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी है, इसी चार दिनों के विशेष सत्र में इसे आसानी से पारित भी कर दिया जायेगा। इस तरह देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा। इससे पहले गोवा में यह लागू है। आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है। इस लिहाज से राजनीति की सभी धाराएं इस बात पर एकमत रही हैं कि देश में सभी पंथों, आस्थाओं से जुड़े लोगों पर एक ही तरह के कानून लागू होने चाहिए। राष्ट्र का कोई भी व्यक्ति, वर्ग, सम्प्रदाय, जाति जब–तक कानूनी प्रावधानों के भेदभाव को झेलेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता, एक राष्ट्र की चेतना जागरण का स्वप्न पूरा नहीं हो सकता। उत्तराखण्ड एवं गोवा के बाद असम और गुजरात जैसे राज्य भी समान आचार संहिता को लागू करने की तैयारी में हैं। भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार यूसीसी लागू करने की मांग जोरदार तरीके से करती आ रही है और इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है। भारतीय न्यायपालिका की तरफ से भी बार–बार इसे लागू करने की जरूरत बताई जा रही है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि देश में इसे लेकर जागरूकता हाल के दिनों में बढ़ी है और इसका श्रेय भाजपा को दिया जाना चाहिए। समान नागरिक संहिता दरअसल एक देश एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून की व्यवस्था का प्रस्ताव है। भारत के विधि आयोग ने राजनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील इस मुद्दे पर देश के तमाम धार्मिक संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए थे। यूसीसी में संपत्ति के अधिग्रहण और संचालन, विवाह, उत्तराधिकार, तलाक और गोद लेना आदि को लेकर सभी के लिए एकसमान कानून बनाया जाना है। पिछले कुछ समय से इस पर अच्छी खासी बहस चली है। लिहाजा एक–एक करके अलग–अलग राज्यों में इसे लागू करने और वहां के अनुभव के आधार पर आगे बढ़ने का ख्याल गलत नहीं कहा जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि उत्तराखण्ड विधानसभा में इसे पेश किए जाने और वहां बहस शुरू होने के बाद इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर रोशनी पड़ेगी और सभी दुविधाएं, शंकाएं एवं संदेह दूर हो जाएंगे। जो अन्य राज्यों के लिये लागू करने का आधार बनेगी।

भारतीय संविधान के मुताबिक भारत एक धर्म–निरपेक्ष देश है, जिसमें सभी धर्मों व संप्रदायों को मानने वालों को अपने–अपने धर्म से सम्बन्धित कानून बनाने का अधिकार है। भारत में दो प्रकार के पर्सनल लॉ हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956 जो कि हिंदू, सिख, जैन व अन्य संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल लॉ। ऐसे में जबकि मुस्लिमों को छोड़कर अन्य सभी धर्मों व संप्रदायों के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत बनाया गया हिंदू मैरिज एक्ट 1956 लागू है तो मुस्लिम धर्म के लिए भी समान कानून लागू होने की बात की जा रही है, जो प्रासंगिक होने के साथ नये बन रहे भारत की अपेक्षा है। अभी मीडिया में छन–छन कर जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके मुताबिक शादी, तलाक, अडॉप्शन से जुड़े कानूनों में एकरूपता के जो प्रावधान हैं, वे यूसीसी की मूल अवधारणा के अनुरूप ही हैं। बहरहाल, उत्तराखण्ड राज्य सरकार की यह एक बड़ी पहल है और इस पर अमल की प्रक्रिया ही नहीं, इसके नतीजों पर भी पूरे देश की नजरें रहेंगी। आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी–20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड, आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार–तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं–कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं।

सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है। देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं।

बीएसए ने आधा दर्जन परिषदीय विद्यालयों का किया निरीक्षण, खामी मिलने पर प्रधानाध्यापक का वेतन रोका

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने औचक निरीक्षण करते हुए शौक्षिक गुणवत्ता और निपुण भारत लक्ष्य के

अंर्तगत निपुणता की जांच की। विकासखंड धर्मापुर के प्राथमिक विद्यालय किरतापुर, कंपोजिट विद्यालय संरेमू, प्राथमिक विद्यालय कोतवालपुर, कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर, प्राथमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर एवं विकासखंड मुफ्तीगंज के प्राथमिक विद्यालय निशान का औचक निरीक्षण किया गया। प्राथमिक विद्यालय किरतापुर एवं कंपोजिट विद्यालय संरेमू के निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु ब्लॉक संसाधन केंद्र धर्मापुर पर गए हुए पाए गए। विद्यालय में कार्यरत शेष सभी कर्मचारी विद्यालयों में उपस्थित पाए गए। विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बना हुआ पाया गया। प्राथमिक विद्यालय निशान, विकास क्षेत्र मुफ्तीगंज के निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक कामाख्या नारायण राय अनुपस्थित मिले, छात्रों के अभिभावकों से संपर्क करने के पश्चात निरीक्षण के दौरान विद्यालय पर उपस्थित हुए। विद्यालय प्रांगण में जर्जर भवन अवस्थित होने के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रधानाध्यापक को जर्जर भवन के संबंध में प्रस्ताव एवं भवन में शिक्षण कार्य बंद करने हेतु निर्देशित किया गया। विद्यालय को गत वर्ष प्राप्त रू. 50000 कंपोजिट धनराशि विद्यालय द्वारा व्यय की हुई पायी गयी। विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता के प्रति संतोष जाहिर करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा छात्र उपस्थित शत प्रतिशत सुनिश्चित करने एवं अनुपस्थित छात्रों के अभिभावक से दैनिक वार्ता एवं रजिस्टर बनाने हेतु निर्देश दिया गया। विद्यालय कोतवालपुर, विकास क्षेत्र धर्मापुर का औचक निरीक्षण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक राम रक्षा यादव 29 जनवरी 2024 से चिकित्सकीय अवकाश पर पाए गये। विद्यालय में कार्यरत शेष सभी कर्मचारी उपस्थित पाए गए। विद्यालय में नामांकित कुल 72 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 35 छात्र उपस्थित पाए गए। विद्यालय में मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार बना हुआ पाया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय की छात्र उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में पाया गया कि अनुपस्थित छात्रों के विवरण को पंजिका में अद्यतन नहीं किया गया है। जिसके कारण बीएसए द्वारा प्रभारी प्रधानाध्यापक को स्पष्टीकरण निर्गत किया गया। कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर, विकास क्षेत्र धर्मापुर का स्थलीय निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक श्री ओम प्रकाश सिंह आकस्मिक अवकाश पर पाए गए। विद्यालय में कार्यरत से समस्त कर्मचारी उपस्थित पाए गए। विद्यालय में कुल नामांकित 135 छात्रों के सापेक्ष सिर्फ 30 छात्र उपस्थित पाए गए। गत वर्ष विद्यालय को प्राप्त रू50000 रुपए के सापेक्ष आय व्यय पंजिका प्रधानाध्यापक द्वारा अवलोकित नहीं कराई जा सकी। छात्रों उपस्थित पंजिका के अवलोकन में बीएसए द्वारा पाया गया कि अनुपस्थित छात्रों के विवरण को विद्यालय द्वारा रिक्त छोड़ा गया है। मध्यान्ह भोजन पंजिका के अवलोकन में पाया गया कि पंजिका में लाभार्थी छात्रों का विवरण अंकित नहीं किया गया है। विद्यालय प्रांगण साफ सुथरा नहीं पाया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रधानाध्यापक का अग्रिम आदेश तक वेतन अवरुद्ध करते हुए कारण बताओं नोटिस निर्गत की गई। प्राथमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर विकास क्षेत्र धर्मापुर के निरीक्षण के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुमन मौर्य छात्रों के आधार पंजीकरण हेतु ब्लॉक संसाधन केंद्र पर गई हुई पाई गई। विद्यालय में कार्यरत शेष समस्त कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित पाया गया है। विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों का अधिगम स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। विद्यालय में छात्रों के बैठने हेतु डेस्क बेंच ना होने के कारण मौके पर ही बीएसए द्वारा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत धर्मापुर से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर कार्य योजना बनाकर विद्यालय में डेस्क बेंच उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया।

9 मार्च को प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 9 मार्च 2024 (शनिवार) को इस वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जानी है, जिसमे मोटर दुर्घटना प्रतिकर सम्बन्धी याचिकाओं का सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाना है।

लोक अदालत में अधिकतम वादों का निस्तारण किया जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिये तथा सुलह–समझौते के वादो को चिन्हित करने के लिये विभिन्न कम्पनियों के मण्डलीय स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति में पाँच प्री–ट्रायल बैठके आयोजित की जानी है जो निम्नलिखित है। 07 फरवरी 2024 (बुधवार) प्रथम–न्यू इं०ए०कं०, आइ.सी.आई.सी.आई.,एच.डी.एफ.सी., 14 फरवरी 2024 (बुधवार) द्वितीय–ओरियन्अल. इं.क., इफको, टोकियो.ज.इ.कं०, एस.बी.आई. ज०ई०कं०, 21 फरवरी 2024 (बुधवार) तृतीय–यूनाईटेड, इं०इं०कं०, टाटा.ए.आई.जी.ज०इं०कं० एवं उ०प्र० राज्य सड़क परिवहन निगम, 28 फरवरी 2024 (बुधवार) चतुर्थ – नेशनल इं०कं०, श्रीराम, ज०इं०कं० चोला एम.एस.ज०ई०कं०, 02 मार्च 2024 (शनिवार) पंचम– न्यू इं०ए०कं०, आई.सी.आई.सी.आई., एच.डी.एफ.सी. 06 मार्च 2024 को कृत कार्यवाही एवं चिन्हित मुकदमों में की गयी तैयारी को मूर्त रूप देने के लिये समीक्षा बैठक होगी।

उपरोक्त प्री–ट्रायल बैठकों में सुलह–समझौता हेतु चिन्हित किये गये वादों का निस्तारण 09 मार्च 2024 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जायेगा।

विकास खण्डवार होगा रोजगार मेले होगा का आयोजन - मनीष कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के क्रम में दीन दयाल ग्रमीण कौशल्य योजना के अन्तर्गत उ0प्र0कौशल विकास मिशन, राजकीय अद्यौगिक र्प्रशिक्षण संस्थान एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में जिले के सभी विकास खण्डों मे विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाना है, जिसमें 50 से अधिक राष्ट्रीय स्तर की कंपनियो द्वारा लगभग 5000 हजार से अधिक पदो पर रोजगार सृजन के अवसर उपलब्ध कराए जायेंगे। अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद मे 08 फरवरी 2024 से 04 मार्च 2024 तक समस्त विकास खण्ड परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक मनीष कुमार पाल ने बताया कि उक्त रोजगार मेले मे जिले के 18 से 35 वर्ष के युवा बेरोजगार अपना आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र की छायाप्रति व बायोडाटा के साथ साक्षात्कर मे सम्मिलित हो कर रोजगार प्राप्त कर सकते है। यह रोजगार मेला पूर्णतया निःशुल्क है। विकास खण्ड करंजाकला में 08 फरवरी 2024 को, धर्मापुर में 09 फरवरी 2024, मुफ्तीगंज में 10 फरवरी 2024, सिरकोनी में 11 फरवरी, सिकरारा में 12 फरवरी, बक्शा में 13 फरवरी, बदलापुर में 14 फरवरी, जलालपुर में 15 फरवरी, मछलीशहर में 16 फरवरी, मड़ियाहू में 17 फरवरी, केराकत में 18 फरवरी, शाहगंज में 19 फरवरी, रामनगर में 20 फरवरी, मुंगराबादशाहपुर में 21 फरवरी, सुजानगंज में 22 फरवरी को आयोजन किया जाएगा।

क्राइम ब्रांच लखनऊ, क्राइम टीम (डीसीपी पूर्वी), सर्विलांस सेल (एडीसीपी पूर्वी), थाना चिनहट व थाना गोमतीनगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा डकैती की घटना का सफल अनावरण करते हुए 04 शातिर डकैतों/अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ एस.बी. शिरडकर के निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह व डीसीपी क्राइम सलमान ताज पाटिल के निर्देशन तथा अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी सय्यद अली अब्बास व एडीसीपी क्राइम अशोक कुमार के कुशल पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त विभूतिखण्ड अनिद्य विक्रम सिंह व एसीपी क्राइम अभिनव के निकट पर्यवेक्षण व कुशल नेतृत्व मे प्रभारी निरीक्षक चिनहट अश्वनी कुमार चतुर्वेदी व सर्विलांस सेलध मड़ियांव प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा द्वारा मय हमराही अधि0/कर्मचारीगण के डकैती के घटना का सफल अनावरण करते हुए 04 शातिर अभियुक्त को फतेगंज पश्चिमी बाईपास के पास जनपद बरेली से समय 02.00 बजे गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से लूटी गयी कापर का तार, लोहे की प्लेट व घटना मे प्रयुक्त डीसीएम ट्रक तथा 4200/– नगद बरामद किया गया। अनावरित अभियोग मे नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

अपराध एवं कार्यवाही का संक्षिप्त विवरण– दिनांक 27.01.2024 को वादी संजीव अग्रवाल द्वारा लिखित तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कराया गया कि इनके देवा रोड अपट्रान स्थित बालाजी ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में 8–10 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा दीवाल फांद कर फैक्ट्री में घुसकर सुरक्षा गार्ड को बंधक बनाकर पिस्टल दिखाते हुए कमरे में बंधक बनाकर फैक्ट्री के अन्दर से कापर का तार व लोहे की प्लेटें लूट कर ट्रक मे लादकर भाग गये है। उक्त तहरीर पर तत्काल सुसंगत धारा मे अभियोग पंजीकृत कर थाना चिनहट, सर्विलांस सेल, क्राइम टीम व अन्य विभिन्न टीमें गठित कर घटना के अनावरन हेतु इलेक्ट्रानिक साक्ष्य, सीसीटीवी कैमरो व सोशल मीडिया अन्य साक्ष्य संकलन की कार्यवाही के क्रम मे मटियारी चौकी पर घटना मे प्रयुक्त वाहन डीसीएम नं0 UP25AT9774 के संबंध मे आपस मे विचार विमर्श कर रहे थे कि पुलिस उपायुक्त पूर्वी की क्राईम टीम पर आ गये जिनसे आपसी विचार परामर्श के पश्चात वाहन स्वांमी के संबंध में ई–चालान एप पर देखा गया तो धरातलीय अभिसूचना एंव सोशल मीडिया एंव इलेक्ट्रॉनिक साधनो के माध्यम से वाहन स्वामी के सत्यापन व अन्य जानकारी हेतु प्रभारी निरीक्षक चिनहट मय हमराही मय अधिध्कर्म (गण विभिन्न प्राईवेट साधनों से जनपद बरेली के लिए प्रस्थान किया गया वाहन स्वामी के घर के आसपास गोपनीय तौर पर जानकारी करने हेतु मुखविर खास को घटना के संबंध में अवगत कराकर मामूर किया गया कि कुछ देर बाद मुखविर खास ने आकर बताया कि वाहन स्वामी अन्य साथी डीसीएम से कुछ माल लेकर दिल्ली जाने के लिए निकले है यदि जल्दी करें तो हो सकता है पकड़ा जा सकता है और बरामादगी हो सकती है।

दुर्गासिटी हास्पिटल ने लगाया निःशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर

–डा.आलोक व आदित्य के नेतृत्व में मरीजों की हुई जांच।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दुर्गासिटी हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर के निदेशक डॉ.आलोक कुमार यादव के नेतृत्व में सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के गुलालपुर गांव के राजबहादुर यादव पीजी कॉलेज में निःशुल्क कैंसर परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर लगाया गया। इस शिविर में करीब दो सौ मरीजों की निरूशुल्क जांच कराने के बाद

दवाईयां वितरित की गईं। कैंसर के मरीजों की जांच के लिए विशेष तौर पर डॉ.आदित्य यादव कैंसर सर्जन ने बताया कि कैंसर के मरीजों को विशेष निगरानी की जरूरत पड़ती है यदि समय से इलाज किया जाये तो वोह कैंसर को मात दे सकते हैं। निदेशक डॉ.आलोक यादव ने भी अन्य मरीजों की जांच की और उन्हें बीमारियों से बचने के टिप्स दिये। डॉ.आलोक यादव ने कहा कि आप का जीवन बहुमूल्य है और यदि अपनी दिनचर्या व खानपान ठीक से करते हैं तो आप गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा हॉस्पिटल समाज के सभी वर्गों के सेवा के लिए कार्य कर रहा है। ऐसी स्थिति में यह निरूशुल्क चिकित्सा शिविर का कार्य आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर डॉ.रवि सिंह ने भी कई मरीजों का परीक्षण किया। साथ में आरपी सिंह, विवेक यादव, रतन यादव ने शिविर को सकुशल संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नेचुरल बाईपास के जरिए हार्ट के मरीजों का होगा इलाज – डा.विमल छाजेर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के नईगंज स्थित साओल हार्ट सेंटर में मंगलवार को चिकित्सा विज्ञान की दुनिया में क्रांति लाने वाले विख्यात कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.विमल छाजेर पूर्व सलाहकार एम्स नई दिल्ली ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि आज विश्व में दिल के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है जिसके इलाज के लिए लोगों को महानगरों की तरफ जाना पड़ता है। ऐसे में अब छोटे जिलों में उनके बेहतर इलाज के लिए साओल हार्ट सेंटर की फ्रेंचाइजी लेकर उन मरीजों को लाभ मिल सकेगा जो हार्ट की बीमारी से ग्रसित हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर दिल के मरीजों की बाइ पास सर्जरी या इंज्योप्लॉस्टी होती है जिसमें मरीज के साथ साथ परिवार के लोग भी परेशान रहते हैं और लाखों रूपये खर्च भी करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में 1995 में साओल की शुरूआत मेरे द्वारा की गई जो बिना बाईपास सर्जरी या इंज्योप्लॉस्टी के जरिए मरीज को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। डॉ.विमल झाजेर ने बताया कि एम्स से त्यागपत्र देने के बाद मेरे द्वारा अब तक पांच लाख से अधिक दिल के रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा चुका है। डॉ.झाजेर को राजीव गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार, भास्कर पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। जिले में साओल हार्ट सेंटर की शुरूआत हो चुकी है और इसका लाभ यहां के लोगों को मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि भारत में हर दस सेकेंड में एक हार्ट के मरीज को अपनी जान गंवानी पड़ती है और पूरे वर्ष में करीब पैंतीस लाख लोग हार्ट की बीमारी के चलते अपनी जान गंवा देते हैं। उन्होंने बताया कि इसको रोकने के लिए ही हम लोगों ने इस सेंटर की शुरूआत की है। इलाज के लिए कई चरणों में उनका इलाज किया जायेगा। पहले चरण में खानपान व रहन सहन का तरीका बताया जायेगा और बिना तेल का खाना कैसे लोगों को मुहैया कराया जाये इसकी जानकारी दी जायेगी। साथ में मरीजों को व्यायाम व योगा कैसे किया जाये उसकी जानकारी दी जायेगी। साथ ही दो और ट्रीटमेंट किया जायेगा जिसमें नेचुरल बाइपास के जरिए बिना बॉडी को खरोच लाए दिल में हजारों ट्यूब लग जाते हैं। साथ में एलोपैथिक दवा भी जाती है। अत्याधुनिक मशीनों के जरिए आज इस इलाज का लाभ पांच लाख से अधिक मरीज उठा चुके हैं और इस इलाज में मरीज के पैसे भी कम खर्च होत हैं। निदेशक प्रणीता सेठ ने बताया कि डॉ.विमल छाजेर का ऑनलाइन अपॉइटमेंट मरीज करा सकते हैं और दो माह में एक बार वे जिले का दौरा कर मरीजों को परामर्श देगें। डॉ.एसके प्रजापति ने बताया कि डॉ.विमल छाजेर के जिले में मरीजों को देखने से यहां के हजारों दिल के रोगियों को लाभ मिलेगा।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाश गिरफ्तार एक को लगी गोली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गौराबादशाहपुर व केराकत थाने की संयुक्त पुलिस टीम के साथ सोमवार देर भोर में हुई मुठभेड़ में 02 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार मुठभेड़ दौरान गोली लगने से एक अभियुक्त घायल हो गया। इसके कब्जे से 1 मोटर साइकिल 1 देशी तमंचा कारतुस .315 बोर बरामद किया है। घटना के संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार के केराकत गौरव कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर बृजेश कुमार के निर्देशन के सोमवार भोर में थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर, चन्दन कुमार राय द्वारा पुलिस टीम के साथ क्षेत्र मे चेकिंग कर रहे थे कि मुखबीर से सूचना मिली कि कुछ बदमाश आजमगढ से जौनपुर के तरफ आ रहे है। जो कोई संगीन वारदात करने वाले है। इस सूचना पर केराकत पुलिस को सूचना दिया गया रामजनम यादव प्र0नि0 केराकत मय पुलिस टीम के साथ केशवपुर रेलवे क्रासिंग के पास मिले तथा पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रुप से चेकिंग करने लगे थोड़ी देर बाद कुछ वाहनों की बीच से बाइक पर 2 व्यक्ति हाइवे वाले रोड से आते दिखाई दिये जिसे पुलिस टीम द्वारा टार्च की रोशनी से रोकने का इशारा किया गया पुलिस टीम को अचानक सामने देखकर बाइक सवार तेजी से मोड़कर पुनः नेशनल हाइवे से आजमगढ़ की तरफ भागने लगे जिसे पुलिस टीम द्वारा बदमाशों का पीछा किया। मोटरसाइकिल सवार नेशनल हाइवे से चौकी धरसंड गांव के रास्ते पर मुड़ गये बदमाशों ने जान मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर कर दिया गोली थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर के उपर से निकल गयी। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षा में फायर किया गया। जिसमें 1 बदमाश के दाहिने पैर में लगी। घायल व्यक्ति से नाम पुछा गया तो अपना नाम अयान अली 24 वर्ष पुत्र अफसर अली निवासी वार्ड नं0 32 ईदगाह ग्वालटोली होसंगाबाद थाना कोतवाली जनपद होसंगाबाद म0प्र0 बताया गया। पुलिस द्वारा काम्बिग के बाद दुसरे अभियुक्त को थोडे दुर से भागते हुए घेर कर पकड़ लिए जिसका नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम सफीर हुसैन 25 वर्ष पुत्र इमरान हुसैन निवासी अचला देवी घाट सिपाह ईरानी मुहल्ला थाना कोतवाली जौनपुर बताया। घायल अभियुक्त अप्पा हुसैन को इलाज हेतु सीएचसी चोरसण्ड में भर्ती कराया गया है अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। दोनों अभियुक्त का लंबा आपराधिक इतिहास है इनके खिलाफ विभिन्न थानो में तमाम संगीत अपराधों में मुकदमे दर्ज हैं।

मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार हुआ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस और बदमाशो के बीच मुठभेड़ का क्रम जारी है इसी कड़ी में मंगलवार देर रात जलालपुर थाने की पुलिस ने 25

हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में आरोपी पुलिस की गोली से घायल हो गया है। उसके कब्जे से एक तमंचा कारतूस, दो मोबाईल व एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद हुआ है। जलालपुर की पुलिस टीम द्वारा लूटेरा व गैगेस्टर एक्ट का 25 हजार रूपये का इनामिया अभियुक्त दिनेश कुमार सोनकर पुत्र छोटेलाल सोनकर निवासी मझगंवाकला थाना जलालपुर, जौनपुर पुलिस मुठभेंड में गिरफ्तार किया गया। घटना के संबंध में बुधवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार केराकत गौरव कुमार शर्मा ने बताया कि मंगलवार की देर रात जलालपुर पुलिस टीम को चेकिंग के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि शातिर लूटेरा व गैगेस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त वाराणसी की तरफ से असबरनपुर पुलिया अण्डरपास से त्रिलोचन होते हुए अपने घर जायेगा, मुखबिर की सूचना पर जलालपुर पुलिस टीम द्वारा असबरनपुर पुलिया अण्डरपास के पास घेराबन्दी कर संदिग्ध वाहनो व व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी कि थोडी देर बाद वाराणसी की तरफ से हाइवे सड़क मार्ग से असबरनपुर पुलिया अण्डरपास की तरफ एक वाहन की हेट लाइट की रोशनी दिखाई पड़ी की नजदीक आने पर रुकने का इशारा किया गया तो मोटर साइकिल बुलेट चालक न रोकते हुए जौनपुर की तरफ भागने लगा कि पुलिस पार्टी द्वारा घेराबन्दी की गयी तो बुलेट मोटर साइकिल सवार अपने को घिरता देख जान से मारने की नियत से भागने के दौरान अपने असलहे से फायर किया इस पर प्रभारी जलालपुर व चौकी प्रभारी पराऊगंज द्वारा आत्मसुरक्षार्थ पिस्टल से जवाबी फायरिंग की गयी जिससे भाग रहे बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया बदमाश को इलाज हेतु सीएचसी रेहटी लाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। अभियुक्त क कब्जे से कब्जे से 1 तमंचा कारतूस, दो मोबाईल व एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद किया गया। उक्त घटनाक्रम में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही ।

घातक है पालीथिन का उपयोग - मीरा अग्रहरी

–जेसीआई चेतना ने पालीथिन के उन्मूलन के लिए चलाया हस्ताक्षर अभियान।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नगर के एक होटल में जेसीआई जौनपुर चेतना ने बसंत पंचमी कार्यक्रम का आयोजन कर मां सरस्वती की अराधना करने के साथ ही पर्यावरण व जीव जन्तुओं के लिए खतरनाक साबित हो रही पॉलीथिन के उन्मूलन के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। संस्था की पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा एक दूसरे को बसंत पंचमी की बधाई देने के साथ ही प्लास्टिक की पन्नी का उपयोग रोकने एवं कपड़े व कागज के थैले के उपयोग पर जोर दिया गया साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया एवं पॉलीथिन के दुष्प्रभाव पर चर्चा के साथ ही इसके उन्मूलन के लिए संकल्प दिलाया गया। संस्था की अध्यक्ष मीरा अग्रहरी द्वारा उपस्थित लोगों को कपड़े का थैला वितरित कर पर्यावरण को बचाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालनध सचिव वंशिका सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन ममता गुप्ता व संचिता बैंकर के द्वारा किया गया कार्यक्रम में फाउंडर अध्यक्ष मेघना रस्तोगी पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता, चारू शर्मा, अनाया अग्रहरी, रीता कश्यप आदि लोग उपस्थित रही।

ओलंपिक में देश को स्वर्ण पदक दिलाना है सपना - सुशील यादव

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। ओलंपिक में देश को स्वर्ण पदक दिलाना मिस्टर गैलेक्सी प्रो वर्ल्ड चौंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बॉडी बिल्डर पूर्व मिस्टर इंडिया सुशील यादव का सपना है।उन्होंने उक्त विचार शहर के एक रेस्टोरेंट में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करे इसके लिए सबसे पहले वह रामलला का दर्शन पूजन करने आये हुए हैं।रामलला का दर्शन करने आए सुशील का अयोध्या आगमन पर सबसे पहले पूर्व मिस्टर इंडिया शोभित शुक्ल, यूथ कांग्रेस सिंह, अयोध्या प्रीमियर लीग के संयोजक के प्रदेश उपाध्यक्ष शरद शुक्ल, कार्यक्रम के संयोजक व नमो अध यक्ष डॉ कृतांत सिंह सहित अन्य लोगों ने सहादतगंज अयोध्या प्रवेश द्वार पर स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि लखनऊ में यू डब्ल्यू एस एफ एफ की ओर से हुई प्रतियोगिता में मिस्टर गैलेक्सी प्रो अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग चौंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयनित हुए है।बताया कि थाईलैंड में होने वाली मिस्टर प्रो चौंपियनशिप में वह मेन फिजिक और क्लासिक फिजिक स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एशियन चौंपियनशिप में भारत को रिप्रेजेंट कर चुके सुशील मिस्टर इंडिया और मिस्टर यूपी सुशील खिताब हासिल कर चुके है।पहली बार मिस्टर प्रो चौंपियनशिप के लिए चयनित सुशील ने बताया कि रामलला का दर्शन करना हम सबके जीवन का परम सौभाग्य है।, है।कार्यक्रम संयोजक व नमो अध यक्ष डा. कृतांत सिंह ने बताया कि आज हमारा देश व प्रदेश हर क्षेत्र में निरंतर आगे की ओर जा रहा है वह देश के पीएम मोदी, प्रदेश के सीएम योगी की ही देन है।उन्होंने कहा कि राम जी से यही प्रार्थना है सुशील यादव चौंपियन शिप देश के लिए स्वर्ण पदक लेकर आये।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजीत पवार गुट का घड़ी चुनाव चिन्ह रहेगा – एनसीपी नेता आर पी शर्मा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एनसीपी नेता आर पी शर्मा ने कहा कि साथियों आपको बताते हुए बड़ा हर्ष हो रहा है कि आज बड़े लंबे समय के बाद चुनाव आयोग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बारे में फैसला दे दिया है। इस फैसले के अनुसार माननीय अजीत पवार गुट को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी माना गया है तथा घड़ी चुनाव चिन्ह पर उनका ही हक रहेगा। यह निर्णय लिया गया है साथ में माननीय शरद पवार को नई पार्टी बनाने के लिए नए तीन नाम देने के लिए कहा गया है।

अतः इस निर्णय के अनुसार असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजीत पवार गुट का घड़ी चुनाव चिन्ह रहेगा।

भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ महानगर द्वारा नमो ऐप अभियान का पंचम कैंप

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ लखनऊ महानगर द्वारा पंचम कैंप आज दिनांक 6 फरवरी को सरोजनीनगर विधानसभा के लोकबंधु अस्पताल परिसर के अंदर वन स्टॉप सेंटर के अंतर्गत चल रहे ष्मेरी यात्राष सेंटर आशियाना लखनऊ पर रखा गया। नमो ऐप अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत नमो ऐप अभियान से सभी को जोड़ा गया एवं प्रधानमंत्री जी की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराने हेतु इस ऐप को डाउनलोड कराया गया। कार्यक्रम आयोजक अरुण प्रताप सिंह संयोजक लखनऊ महानगर एवंगुंजन वर्मा सहसंयोजक लखनऊ महानगर ने यह जानकारी दी। कार्यक्रम मे विशेष रूप से क्षेत्रीय संयोजक भाजपा डॉ राजेश श्रीवास्तव, सह संयोजक संतोष श्रीवास्तव,सुजीत मिश्रा,सेंटर प्रभारी अर्चना सिंह उपस्थित रही और सभी को प्रध ाामनंत्री जी की जनकल्याकारी योजनाओं एवं नमो ऐप से अवगत कराया। विशेष सहयोग हेमू चौरसिया,अर्चना शर्मा,दीपिका मिश्रा,आकाश कुमार,श्रेया शुक्ला,नितिन तिवारी, मनोज पांडेय, सोनल एवं सभी महिला प्रशिक्षु उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन संस्था के प्रवक्ता प्रदीप शुक्ला ने किया।

पिछले माह 86 मुकदमा दर्ज,सात आरोपी भेजे गये जेल - जिला आबकारी अधिकारी

–शराब के दुष्प्रभाव को लेकर विभाग चलाता है जागरुकता अभियान।

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अवैध रुप शराब के कारोबार में लिप्त आरोपियों के विरुद्ध आवकारी विभाग सख्त कार्रवाई करने में जुटी हुई है।इसके साथ ही साथ लोगो को शराब से होने वाली हानियों व इससे बचने के लिए आबकारी विभाग बीच में बीच में सभी सर्किलों में जन जागरुकता अभियान भी चला रहा है। यह बातें जिला आबकारी अधिकारी अतुलेश चंद्र मिश्र ने बताई। उन्होंने बताया कि पिछले माह जनवरी मे अवैध रुप से शराब कारोबारियों पर आबकारी विभाग द्वारा सघन अभियान चलाकर शिकंजा कसा गया। इस अभियान में लगभग 86 अभियोग पंजीकृत किया गया। जिसमें लगभग अवैध रूप से 2487 ली शराब बरामद कर आबकारी विभाग द्वारा मौके से 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।जिसमें से 07 आरोपियों को

न्यायालय द्वारा जेल भेजा गया।उन्होंने बताया कि जिले के पांचों सर्किल जिसमें सदर, सोहावल, रुदौली, बीकापुर व मिल्कीपुर में कुल 395 शराब की दुकानें वैध रुप से है। जिसमें 226 देशी शराब,87 विदेशी शराब,66 वियर बार,03 माडल शाप तथा 13 भांग की वैध रुप से है। उन्होंने बताया कि देशी शराब, विदेशी शराब,वियर बार,देशी शराब, भांग, माडल शाप की दुकानों को खोलने की अनुमति मानक के अनुसार ही दिया जाता है।

इन दुकानों को खोलने की अनुमति गांव, नगर पंचायत व नगर पालिका/नगर निगम तब दिया जाता है कि उक्त दुकान स्कूल, मंदिर व अन्य प्रतिष्ठानों से मानक तय दूरी के मुताबिक हो। लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि अगर वैध रुप से शराब दुकान पुरानी है और उसके बाद वहां पर कोई स्कूल, मंदिर आदि का निर्माण होता है तो उक्त शराब की दुकानें नहीं हटेंगी।

लखनऊ में आयोजित होने जा रहा है मेगा आर्किटेक्चर इवेंट आईआईए नैटकान 2024

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए) यूपी चौप्टर 9 से 11 फरवरी 2024 तक लखनऊ में अपने राष्ट्रीय सम्मेलनष्आईआईए नैटकॉन 2024ष का आयोजन कर रहा है। यह सम्मेलन ऐतिहासिक शहर लखनऊ के शहीद पथ पर स्थित इकाना स्टेडियम में आयोजित होगा। तीन दिन का यह कार्यक्रम ष्संवर्धनष यानी प्रोफेशनल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के मुख्य विषय के साथ आयोजित किया जा रहा है। ष्आईआईए नैटकॉन 2024ष का लक्ष्य भारतीय भवनों के निर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में तेजी से विकास के लिए चुनौतियों पर चर्चा करना और उनका समाधान ढूंढना है। यह सम्मेलन न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में शहरीकरण से जुड़े मुद्दों और विकल्पों पर बातचीत और चर्चा का मंच है। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट प्रो. अभय पुरोहित, डॉ क्रिस्टोफर चार्ल्स बेनिंगर, आर जेरार्ड दा कुन्हा, डॉ वंदना सहगल, आर यतीन पांड्या और डॉ पोन्नी कॉनसेसाओ अपने प्रेजेंटेशन देंगे। अयोध्या में निर्मित राम मंदिर के मुख्य वास्तुकार श्री आशीष सोमपुरा, प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार राम मंदिर निर्माण पर अपना प्रेजेंटेशन देंगे। इस दौरान महत्वपूर्ण और प्रासंगिक विषयों पर इंटरैक्टिव पैनल चर्चाएं भी आयोजित की जाएंगी। आईआईए को इस तीन दिवसीय मेगा इवेंट में लगभग 2500 प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। इनमें से 1500 देश के अलग–अलग हिस्सों से, 500 उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से और 500 अलग–अलग आर्किटेक्चर कॉलेजों के छात्र होंगे। इस इवेंट

में विचारों को क्रियान्वित करने के तरीकों और उनके लिए आवश्यक साधनों पर चर्चा की जाएगी। इस मेगा इवेंट में एक बड़ी होम डेकोर एग्जिबिशन भी आयोजित की जाएगी, जिसमें नये उत्पाद और तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें देश और विदेश के बड़े उत्पाद निर्माता अपनी नए उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किए गए हैं। वे देश के अलग–अलग हिस्सों से आए आर्किटेक्ट्स के सामने प्रदर्शन कर बताएंगे कि वास्तुशिल्प उत्पादों की दुनिया में किस किस तरह से विकास और परिवर्तन हो रहा है। प्रदर्शनी में प्रवेश मुफ्त है और यह तीनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक खुली रहेगी। इस इवेंट के दौरान आईआईए यूपी चौप्टर ओरिगेमी, बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम) और वीविंग वॉल्स जैसे विषयों पर तीन स्टूडेंट वर्कशॉप भी आयोजित कर रहा है। विभिन्न आर्किटेक्चरल कॉलेजों के वरिष्ठ छात्रों को सम्मेलनों और प्रदर्शनियों में भाग लेने के साथ–साथ इन वर्कशॉप्स में भी भाग लेने का मौका मिलेगा। ये वर्कशॉप्स उन्हें वास्तुकला के विभिन्न पहलुओं का रोमांचक अनुभव प्रदान करेंगे। आईआईए यूपी चौप्टर ने इवेंट के लिए आने वाले आर्किटेक्ट्स के लिए हेरिटेज वॉक का भी आयोजन कर रहा है। इस वॉक में रूमी दरवाजा, बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, द रेजीडेंसी, ला मार्टिनियर कॉलेज और दिलकुशा कोठी जैसी हेरिटेज प्रॉपर्टीज को शामिल किया गया है। वॉक के दौरान, आर्किटेक्ट्स इन ऐतिहासिक इमारतों के आर्किटेक्चर का अवलोकन कर सकेंगे। प्रदर्शनी, सम्मेलन और अन्य गतिविधियों के अलावा, आईआईए–यूपी चौप्टर ने कार्यक्रम के बाद उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से, भाग लेने वाले आर्किटेक्ट्स के लिए विभिन्न स्थानों जैसे – अयोध्या, आगरा, वाराणसी, दुधवा नेशनल पार्क आदि के लिए भ्रमण की भी योजना बनाई है।

राम नगरी में गरुण क्रूज बनकर तैयार, सरयू के घाटों से श्रद्धालु निहार सकेंगे अयोध्या की महिमा'

(डी. के. यू लाइव ब्यूरो)
सुरेंद्र कुमार

अयोध्या रामनगरी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अब जल्द ही सरयू की लहरों पर गरुण क्रूज तैरता नजर आएगा। यह क्रूज अयोध्या पहुंच चुका है। कोरिया पार्क में सुरक्षित रखा गया है। क्रूज संचालन के लिए सरयू का जलस्तर बढ़ने का इंतजार है। 125 यात्रियों की क्षमता का क्रूज आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। क्रूज संचालन से सरयू के घाटों से श्रद्धालु अयोध्या की महिमा निहार सकेंगे।सरयू नदी का जलस्तर कम होने के चलते जलविहार के लिए बड़ी बोट के संचालन में दिक्कत आ रही है। सोमवार को सरयू का जलस्तर 88.15 मीटर रहा। करीब 100 सेमी पानी के जलस्तर में इजाफा होने के बाद क्रूज का संचालन करने में आसानी होगी। क्रूज की लंबाई 60 फीट, चौड़ाई 17 फीट व ऊंचाई 24 फीट है। यह क्रूज सात जनवरी को अयोध्या आ गया था।

गरुण क्रूज के संचालक राहुल शर्मा ने बताया कि गिरिजा बैराज से जल्द ही पानी छोड़ा जाएगा, जिससे जलस्तर बढ़ेगा। इसके बाद गरुण को नदी में उतारा जाएगा। गरुण क्रूज को नीदरलैंड में निर्मित वोल्वो पेंटा डबल इंजन से संचालित किया जाएगा। इससे पहले सरयू में जटायु क्रूज को उतारा गया था। कुछ ही महीने में यह सेवा फेल हो गई। शुरुआती दिनों में ही क्रूज खराब हो गया था। मात्र 53 दिनों में ही क्रूज सेवा को बंद करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुरानी नाव को सजाकर क्रूज बना दिया गया।

डिजिटल मीडिया पर अभिजीत बिसेन की फोटो फेसबुक से निकालकर एवं मोबाइल नंबर पर प्रार्थी की फोटो लगाकर सामाजिक छवि खराब करने एवं आपराधिक षड्यंत्र करने के सम्बन्ध में थाना इंदिरा नगर में एफआईआर दर्ज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अभिजीत बिसेन ने थाना इन्दिरानगर में दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि महोदय, सविनय निवेदन किया है कि मैं प्रार्थी अभिजीत बिसेन पुत्र धीरेंद्र कुमार सिंह निवासी 13ध्217 इंदिरा नगर लखनऊ जो कि इंडिया प्लाटेशन के डायरेक्टर एवं राष्ट्र रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। दिनांक 4–2–2024 को दैनिक भास्कर डिजिटल मीडिया साइट पर एक खबर पुलिस भर्ती बोर्ड की प्रकाशित की गई। उपरोक्त खबर में मीडिया द्वारा सुनाई गई आवाज ना तो प्रार्थी की है और ना ही खबर में दिखाया गया मोबाइल नंबर भी प्रार्थी का नहीं है एवं खबर में दिखाया गया व्यक्ति जिसे मीडिया कर्मी बातचीत कर वीडियो बना रहे ना ही वह प्रार्थी है। कहीं किसी प्रकार का कोई पुख्ता सबूत भी प्रार्थी के विरुद्ध नहीं है जबकि मीडिया कर्मी अपनी ही खबर में यह बात कह रहे हैं कि उनकी बात प्राथी से हुई तो दिनांक 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के चलते अयोध्या में प्रार्थी के रहने की बात कही गई एवं कई बार मीडिया कर्मी की बात प्रार्थी से हुई जिसका कोई शाक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया, जबकि 19 से लेकर 3 तारीख तक तारीख प्रार्थी वाराणसी में संघ के कार्यक्रम में मौजूद थे। मीडिया कर्मी द्वारा उपलब्ध कराया नंबर भी प्रार्थी का नहीं है जिसपर उसका कहना है कि उसकी प्रार्थी से बात हुई, मीडिया कर्मी द्वारा जिस नवर पर बात करी गई उसका नाम विक्की बताया गया बल्कि प्रार्थी का नाम विक्की नहीं है। यह आपराधिक षडयंत्र कर प्रार्थी की उपरोक्त खबर चलकर फर्जी फसाने व पार्थी की सामाजिक छवि धूमिल एवं प्रार्थी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उपरोक्त खबर चलने के बाद प्रार्थी ने जब दैनिक भास्कर डिजिटल मीडिया के उत्तर प्रदेश के हेड गौरव पांडे जी से उनके नंबर 9454292638 पर मेरे नंबर 8090211110 से 4 तारीख

को संपर्क कर उनसे इस न्यूज केब बारे मे म पूछा औ और उन्हें अवगत कराया की न्यूज में दिया हुआ ऑडियो मेरा नहीं है और न्यूज में दिखाई गई फोटो मेरी नहीं है और जो आप द्वारा मेरी फोटो फेसबुक से निकाल कर लगाई गई है और गलत है और आप द्वारा चलाई गई रिकर्डिंग भी मेरी नही है और आप द्वारा दिखाया गया मोबाइल नंबर भी मेरा नहीं है जब में उन्हें अपने नंबर के बारे में अवगत कराया कि मेरा नंबर यह है 8090211110 और मेरे अन्य नंबर यह है 8429658888 और आपके रिपोर्टर ने मेरी छवि बिगड़ने के लिए गलत खबर पब्लिश की तो उन्होंने तुरंत मेरा फोटो वह मेरे अन्य फेसबुक से लिए हुए फोटो हटा दिए (1. प्रतिलिपि संलग्न) 5 तारीख को मेरी गौरव पाडे जी से दोबारा वार्ता हुई कि आपके पत्रकार द्वारा मेरे फोटो आपके पत्रकार के फेसबुक एवं ट्विटर अकाउंट से पोस्ट किया जा रहे हैं एवं उसके अभद टिप्पणी की जा रही है मैंने इसकी शिकायत हजरतगंज साइबर थाने में की है (2. प्रतिलिपि सलग्न) है तो 5 तारीख को गौरव पांडे जी द्वारा मुझे उनके ऑफिस शालीमार टाइटेनियम थर्ड फ्लोर दैनिक भास्कर में बुलाया गया। जहां पर मेरी उनसे वार्ता हुई में अपने सारे शाक्ष्य दिए तो उन्होंने वहां से मेरी न्यूज हटा दी, मैंने उनसे आग्रह किया कि अपने पत्रकार राजेश साहू को बुलाए जिन्होंने मेरी छवि बिगडने के लिए इस न्यूज को बायरल किया जो कि सही नहीं है तो उनके द्वारा मुझे आश्वासन दिया गया कि वह उनके ऊपर सख्त कार्रवाई करेंगे क्योंकि उन्होंने गलत न्यूज चलाई उन्हो ने किसी और व्यक्ति अभिजीत सिह की जगह मेरा नाम अभिजीत विसेन डाल दिया। दैनिक भास्कर के पत्रकार राजेश साहू द्वारा जो शाक्ष्य दिए गए उसमे रिकडिंग में एक व्यक्ति का नंबर 7390980191 दिया गया जो कि मेरा नहीं है जिस पर मेरी फेसबुक प्रोफाइल से डीपी निकाल कर लगा दी गई है। (3. प्रतिलिपि संलग्न) रिकार्डिंग में एक दूसरा नंवर दर्शाया गया नबर 8808508828 भी मेरा नहीं है एवं वीडियो में खड़ा हुआ व्यक्ति में नहीं हू यह उन्होंने भी स्वीकार किया। महोदय इस पूरी खबर को प्रसारित कर मेरी समाज में छवि धूमिल की गई, मेरे परिवार के सदस्यों को कई जगह से काल आ रहे है इस असत्य घटना के बारे में पूछा जा रहा है। महोदय आपसे सादर निवेदन है इस पूरे घटना घटनाक्रम की जाँच करवाने की कृपा करे। और पंज्यत्र में शामिल सभी अपराधियों एवं जिनका नम्बर 8808508828 व 7390980191 पर कठिन कार्यवाही कर मुझे न्याय दिलाने की कृपा करे।

'आस्था के सैलाब के साथ स्वरों में अयोध्या में गूंजा रामनाम'

(डी. के. यू लाइव ब्यूरो)
सुरेंद्र कुमार

अयोध्या। रामलला के दर्शनों के लिए अयोध्या में श्रद्धालुओं का आगमन जारी है और भक्ति के इस माहौल में तुलसी उद्यान के सांस्कृतिक मंच पर,विभिन्न प्रदेशों से आए कलाकारों के आस्था के स्वर भी गूंज रहे है। मुरादाबाद से आए दल ने पंकज दर्पण अग्रवाल के निर्देशन में पहली प्रस्तुति लोक नाट्य शैली में,धनुष भंग और परशुराम लक्ष्मण संवाद का प्रस्तुत किया। नृत्य नाटिका के रूप में कलाकारो का अभिनय और संवादों की अदायगी ने जनकपुर के राजदरबार को जीवंत कर दिया। अगली प्रस्तुति राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित 75 वर्षीय खेमराज और उनके दल ने जम्मू का प्रसिद्ध लोकनृत्य कुद प्रस्तुत किया। फसल कटने के बाद के उल्लास को,अयोध्या के आनंद में डुबोते हुए कलाकारो के लयबद्ध नृत्य के साथ पारंपरिक वाद्ययंत्र कैल की धुन ने वातावरण में एक मिठास भर दी। खेमराज की लचक और भाव भंगिमा पर दर्शक मुग्ध होकर तालियों से साथ दे रहे थे। मध्य प्रदेश के मनीष पाल के दल ने पारंपरिक बरेदी नृत्य करके भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को प्रस्तुत किया।कलाकारो ने जब मंच पर पिरामिड बना कर नन्हे कान्हा को सबसे ऊपर खड़ा होकर बांसुरी बजाते देखा तो आश्चर्यचकित रह गए। मंच पर राजस्थान की कलाकार राधा ने अपने साथियों के साथ मंच पर सर पर रखे मटके पर आग जला कर जैसे ही प्रवेश किया पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा।राजस्थान की स्वर लहरियों पर महिला कलाकारों के अंग संचालन और ताल पर पैरो के संचालन ने समां बांध दिया।राजा महाराजाओं के विजय के अवसर पर किए जाने वाले इस नृत्य के बाद लखनऊ की लोक गायिका सरला गुप्ता ने अपने साथियों के साथ मंच पर रामजी से जुड़े विविध लोक गीतों के साथ साथ दल के कलाकारो ने लोकनृत्य भी प्रस्तुत किया। दर्शकों की मांग पर सरला गुप्ता ने लोक गीत भी सुनाए।इसी दल की आरु मिश्र ने भी अयोध्या जी चं लोकगीत सुनाया। महाराष्ट्र से आए दल के गणेश और उनके साथियों ने कोली नृत्य प्रस्तुत किया। जिसमे समुद्र किनारे कोली समाज के स्त्री पुरुष द्वारा किसी भी खुशी के अवसर पर किए जाने वाली प्रसन्नता को व्यक्त कर रहे थे। अयोध्या में बदलते मौसम के अनुरूप प्रीति सिंह ने कजरी पर लोकनृत्य प्रस्तुत करके दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। ढलती हुई रात में भारी संख्या में बैठे दर्शकों के सामने पश्चिम बंगाल से आए दल की रंजीता हलदार के दल ने अपनी प्रस्तुति दी।मंच पर कलाकारो का आगमन एक एक कर वाद्ययंत्र के वादन और गायन के साथ अलग अलग हुआ,जिसने सभी के मन में एक उत्सुकता जगा दिया सबसे पहले रंजीता हलदार और प्रो.हरे कृष्णा ने श्रीखोल से पारंपरिक बोल और पढ़न्नत सुनाने के बाद आपस में जुगलबंदी की तो सभी जयश्री राम के जयकारों के साथ तालियों से कलाकारो का साथ देने लगे।इसके बाद दर्शकों को मृदंग पर ही रेलगाड़ी की आवाज,मंदिर में कीर्तन की आवाज,और तालियों की आवाज सुना कर मंत्रमुग्ध कर लिया।पार्श्व में सह कलाकारो का अनवरत मृदंग वादन और भक्ति में डूबा हुआ नृत्य एक सम्मोहक वातावरण निर्मित कर रहा था। इसी भक्तिमय वातावरण में बारी आई भजनों की तो प्रियंका हालदार ने चौपाइयों से शुरुआत की और फिर जैसे ही आलाप लिया. ..जय श्रीराम तो सारा पांडाल अपनी जगह पर खड़ा होकर नृत्य के लिए तैयार हो गया इसके बाद भारत का बच्चा बच्चा,जय जय श्रीराम बोलेगा,अवध में राम आए है,मेरी झोपडी के भाग खुल जायेंगे जैसे भजनों पर सभी उठ कर नृत्य करने लगे। कलाकारो के साथ मंच पर पैड और श्रीखोल पर रंजीता हलदार का डूबकर मुस्कुराते हुए वादन करना एक अलग आकर्षण पैदा कर रहा है। वहीं की बोर्ड पर पार्वती हलदार,बांसुरी पर उपेन विश्वास और बैंजो पर सुभाष बर्मन ने संगत किया।इसके बाद मंच पर राजस्थान के कलाकारो ने भवई लोकनृत्य प्रस्तुत किया जिसमे कलाकारो का संतुलन देख कर सभी स्तब्ध रह गए।सर पर पांच घड़े रख कर कील पर,कांच के टुकड़ों पर,स्टील के गिलास पर,संतुलन बनाए हुए बलखाते हुए नृत्य करते कलाकारो पर दर्शकों ने जी भर कर तालियां बजाईं। इसी वातावरण में महाराष्ट्र के कलाकारो और प्रीति सिंह उत्तर प्रदेश का लोक नृत्य प्रस्तुत किया। देर रात तक चले दर्शकों से भरे पांडाल में कार्यक्रम समन्वयक अमित श्रीवास्तव,पुनः प्रकाश,मनप्रीत सिंह समेत भारी संख्या में दर्शक और संतजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी के उद्घोषक देश दीपक मिश्र ने अपने विशिष्ट अंदाज में किया।

किसान पथ मार्ग के समस्त निर्माणधीन कार्य लोकार्पण के पूर्व पूर्ण हो जाने चाहिए –डा. रोशन जैकब

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने निर्माणाधीन किसान पथ के सम्पूर्ण मार्गों का जायजा लेने के लिए निकली फील्ड पर, निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि किसान पथ मार्ग के समस्त कार्य लगभग पूर्ण करा लिए गए हैं। मोहान रोड के पास रेम्प का कार्य चल रहा है। मंडलायुक्त ने पीवडी एनएचआई को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शेष कार्यों को 24X7 युद्ध स्तर पर करते हुए निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के क्रम में मंडलायुक्त ने किसान पथ (जलसा रिजॉर्ट) से लेकर रायबरेली, कानपुर रोड को क्रास करने वाले किसान पथ के सम्पूर्ण मार्गो का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि किसान पथ मार्ग के समस्त निर्माणधीन कार्य लोकार्पण के पूर्व पूर्ण हो जाने चाहिए। इसमें किसी प्रकार के शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर रहकर कार्य कराया जाना सुनिश्चित कराये। इस अवसर पर केपी सिंह (ओएसडी) रक्षा मंत्री, दिवाकर त्रिपाठी सांसद प्रतिनिधि, डॉ राघवेंद्र शुक्ला(चतव) रक्षा मंत्री सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।